विषय-सूची

1. नगरीय भूगोल का अर्थ एवं विषय-क्षेत्र 1–9

(Meaning and Scope of Urban Geography)

1. सामान्य परिचय, 2. नगरीय भूगोल : अर्थ एवं परिभाषा, 3. नगरीय भूगोल का विषय क्षेत्र, 4. नगरीय भूगोल का अन्य विषयों से सम्बन्ध।

2. नगरीय भूगोल का विकास 10–16

(Evolution of Urban Geography)

1. नगरीय भौगोलिक अध्ययन का प्रारंभिक काल, 2. नगरीय भूगोल का स्थापना काल, 3. अंतर्युद्ध काल, 4. द्वितीय विश्व युद्ध एवं युद्धोत्तर काल, 5. अभिनव काल।

3. नगरीय भूगोल के अध्ययन उपागम 17–21

(Appoaches to the Study of Urban Geography)

1. क्रमबद्ध उपागम, 2. तंत्र उपागम, 3. ऐतिहासिक उपागम, 4. आकारिकीय उपागम, 5. कार्यात्मक उपागम, 6. पारिस्थितिकीय उपागम, 7. सैद्धान्तिक या निगमनात्मक उपागम, 8. आनुभविक या आगमनात्मक उपागम, 9. कल्याणपरक उपागम, 10. आचारपरक या व्यवहारपरक उपागम।

4. नगरीय भूगोल के परिवर्तनशील चिन्तन फलक 22–27

(Changing Paradigms of Urban Geography)

1. चिन्तनफलक की संकल्पना, 2. नगरीय भूगोल के चिन्तनफलक : (अ) परम्परागत चिन्तन फलक, (ब) समसामयिक चिन्तन फलक।

5. नगरीय भूगोल की प्रमुख संकल्पनाएँ 28–41

(Major Concepts of Urban Geography)

1. नगरीकरण की संकल्पना, 2. नगर एवं नगरीय क्षेत्र की संकल्पना, 3. ग्राम्य-नगर द्विधात्व बनाम सांतत्य संकल्पना, विधिक नगर और भौगोलिक नगर की संकल्पना, 7. सन्नगर एवं बृहन्नगर की संकल्पना, 8. केन्द्रस्थल की संकल्पना, 9. नगरीय पदानुक्रम की संकल्पना, 10. प्रधान (प्राथमिक) नगर की संकल्पना, 11. नगरीय प्रभाव क्षेत्र (अमलैण्ड) की संकल्पना, 12. ग्रामीण-नगरीय उपांत की संकल्पना, 13. उपनगरीय क्षेत्र (उपनगर एवं अनुषंगी नगर) की संकल्पना, 14. नगरीय आकारिकी की संकल्पना, 15. केन्द्रीय व्यापार क्षेत्र की संकल्पना।

6. नगर और नगरीय क्षेत्र की संकल्पना 42–53

(Concept of Town and Urban Area)

1. नगर की संकल्पना, 2. ग्रामीण और नगरीय अधिवासों में अंतर, 3. नगर की परिभाषा, 4. नगर की परिभाषा के मापदण्ड, 5. संयुक्त राज्य जनगणना ब्यूरो और नगरीय क्षेत्र, 6. भारतीय जनगणना में नगर की परिभाषा।

7. नगरीय विन्यास : स्थल एवं स्थिति **54–60**

(Urban Setting : Site and Situation)

1. स्थल एवं स्थिति का अर्थ, 2. स्थल एवं स्थिति के आवश्यक तत्व, 3. नगरों के स्थल एवं स्थिति को प्रभावित करने वाले कारक, 4. स्थल एवं स्थिति के आधार पर नगरों का वर्गीकरण।

8. नगरों की उत्पत्ति एवं विकास **61–82**

(Origin and Evolution of Towns)

1. नगरों की उत्पत्ति एवं विकास को प्रभावित करने वाले कारक, (अ) भौतिक कारक, (ब) मानवीय कारक, 2. नगरीय विकास की अवस्थाएँ, 3. विश्व में नगरों का विकास : (अ) प्राचीन काल के नगर, (ब) मध्यकालीन नगर, (स) आधुनिक नगर, 4. भारत में नगरों का उद्भव एवं विकास।

9. नगरीय विकास में अपकेन्द्रीय एवं अभिकेन्द्रीय शक्तियाँ **83–91**

(Centrifugal and Centripetal Forces in Urban Development)

1. नगरीय विकास की प्रक्रिया, 2. अपकेन्द्रीय शक्तियाँ, 3. अभिकेन्द्रीय शक्तियाँ, 4. अपकेन्द्रीय और अभिकेन्द्रीय शक्तियों में संतुलन।

10. सन्नगर एवं बृहन्नगर **92–103**

(Conurbation and Megalopolis)

1. सन्नगर का अर्थ एवं परिभाषा, 2. नगरीकरण की एक विशिष्ट विधा के रूप में सन्नगर, 3. सन्नगर की प्रमुख विशेषताएँ, 4. सन्नगर के विकास के कारक, 5. विश्व के कुछ प्रमुख सन्नगर, 6. सन्नगरों का पदानुक्रम, 7. सन्नगर संकल्पना सम्बन्धी भ्रान्तियां और उनका औचित्य, 8. बृहन्नगर।

11. नगरीय आर्थिक आधार : मूल एवं गौण संकल्पना **104–118**

(Urban Economic Base – Basic and Non-basic Concept)

1. नगरीय आर्थिक आधार संकल्पना, 2. आर्थिक आधार के लिए प्रयुक्त शब्दावलियाँ, 3. आर्थिक आधार संकल्पना का विकास, 4. नगरीय आर्थिक आधार संकल्पना का प्रयोग– (अ) माप की इकाइयाँ, (ब) आधार क्षेत्र का चुनाव, (स) मूल-गौण अनुपात निर्धारक तकनीकें, 5. मूल एवं गौण संकल्पना की भौगोलिक उपयोगिता, 6. निष्कर्ष।

12. नगरों का कार्यात्मक वर्गीकरण **119–158**

(Functional Classification of Towns)

1. नगरीय वर्गीकरण के आधार, 2. नगरों के कार्यात्मक वर्गीकरण की विधियाँ–(अ) गुणात्मक विधियाँ, (ब) अर्द्ध-परिमाणात्मक विधियाँ–सी.डी. हैरिस द्वारा अमेरिकी नगरों का कार्यात्मक वर्गीकरण, (स) विशुद्ध परिमाणात्मक या सांख्यिकीय विधियाँ– (1) पी. ई. पी. का वर्गीकरण, (2) पावनाल का वर्गीकरण, (3) नेल्सन का वर्गीकरण, (4) वेब का वर्गीकरण, (5) आर्थिक आधार संकल्पना पर आधारित वर्गीकरण, (6) बहुचरीय विश्लेषण पर आधारित वर्गीकरण।

13. केन्द्रस्थल सिद्धान्त **159–176**

(Central Place Theory)

1. केन्द्रस्थल का अर्थ, 2. केन्द्रस्थल सिद्धान्त की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि– (1) वान थ्यूनन, (2) जे. जी. कोहल, (3) सी. एच. कोली, (4) सी. जे. गालपिन, (5) हांस

बोबेक, 3. क्रिस्टालर का केन्द्रस्थल सिद्धान्त, 4. लाश का केन्द्रस्थल तंत्र, 5. फिलब्रिक का समावेशी पदानुक्रम सिद्धान्त।

14. नगरों की कोटि, आकार एवं अंतरण 177–189

(Rank, Size and Spacing of Cities)

(अ) कोटि-आकार नियम–1. नियम की व्याख्या, 2. कोटि-आकार नियम का आरेखीय प्रदर्शन, 3. कोटि-आकार नियम का व्यावहारिक परीक्षण, 4. कोटि-आकार नियम और केन्द्र स्थल सिद्धान्त की तुलना, 5. भारतीय नगरों पर कोटि-आकार नियम का प्रयोग।

(ब) आकार-अंतरण के परिकलन की विधियाँ–(1) सैद्धान्तिक दूरी विधि, (2) निकटतम पड़ोसी विधि, (3) नगर अंतरण को प्रभावित करने वाले कारक।

15. नगरीय पदानुक्रम 190–195

(Urban Hierarchy)

1. नगरीय पदानुक्रम का अर्थ, 2. पदानुक्रम और कोटि में भेद, 3. नगरीय पदानुक्रम के लिए प्रयुक्त शब्दावलियाँ, 4. नगरीय पदानुक्रम के आधार, 5. नगरीय पदानुक्रम के निर्धारण की विधियाँ।

16. नगरीय आंतरिक संरचना के सिद्धान्त 196–206

(Theories of Urban Internal Structure)

1. संकेन्द्रीय वलय सिद्धान्त, 2. त्रिज्यखण्ड सिद्धान्त, 3. बहुनाभिक सिद्धान्त, 4. तुलनात्मक समीक्षा।

17. नगर की व्यापारिक संरचना और केन्द्रीय व्यापार क्षेत्र 207–222

(Commercial Strucure of City and Central Business District)

(अ) नगर की व्यापारिक संरचना–(1) नगर की फुटकर व्यापार संरचना 2. नगर की थोक व्यापार संरचना।

(ब) केन्द्रीय व्यापार क्षेत्र–(1) केन्द्रीय व्यापार क्षेत्र की मौलिक विशेषताएँ, 2. संकमण पेटी, 3. केन्द्रीय व्यापार क्षेत्र का वर्गीकरण, 4. केन्द्रीय व्यापार क्षेत्र का परिसीमन, 5. सी.बी.डी. सीमांकन में प्रयुक्त विधियाँ, 6. केन्द्रीय व्यापार सूचकांक विधि, 7. भारतीय नगरों में व्यापारिक क्षेत्र।

18. नगरों की जनांकिकीय संरचना 223–227

(Demographic Structure of Cities)

1. नगरीय जनांकिकी के प्रमुख पक्ष, 2. नगरों में जनसंख्या घनत्व प्रतिरूप, 3. नगरीय जनसंख्या घनत्व वितरण के मॉडल, 4. नगरीय जनसंख्या घनत्व को प्रभावित करने वाले कारक।

19. सामाजिक क्षेत्र के रूप में नगर 228–231

(City as a Social Space)

1. सामाजिक क्षेत्र का अर्थ, 2. नगरीय सामाजिक क्षेत्र की विशेषताएँ, 3. नगरीय सामाजिक क्षेत्रों के विकास की अवस्थाएँ, 4. सामाजिक क्षेत्र विश्लेषण, 5. नगरीय विस्तार के मॉडल और सामाजिक क्षेत्र, 6. पाश्चात्य नगरों में सामाजिक क्षेत्र, 7. भारतीय नगरों में सामाजिक क्षेत्र, 8. सामाजिक क्षेत्र के अध्ययन का महत्व।

20. ग्रामीण-नगरीय उपांत एवं उपनगरीय क्षेत्र 232–249
(Rural-Urban Fringe and Suburban Areas)
(अ) ग्रामीण नगरीय उपांत–1. अर्थ एवं परिभाषा, 2. नगरीय उपांत संकल्पना का विकास, 3. ग्राम्य नगरीय उपांत की प्रमुख विशेषताएँ, 4. ग्राम्य नगरीय उपांत के प्रकार, 5. ग्राम्य नगरीय उपांत के विकास के कारक, 6. ग्राम्य नगरीय उपांत का सीमांकन, 7. ग्राम्य नगरीय उपांत के परिसीमन के महत्वपूर्ण प्रयास, 8. भारतीय नगरों के उपातों के परिसीमन के प्रयास।
(ब) उपनगरीय क्षेत्र–1. उपनगर, 2. अनुषंगी नगर, 3. उपनगर और अनुषंगी नगर में मुख्य अंतर, 4. उपनगर और अनुषंगी नगर के स्तर में परिवर्तन।

21. नगरीय प्रभाव-क्षेत्र या अमलैण्ड 250–265
(Urban Influence Area or Umland)
1. अमलैण्ड : अर्थ एवं परिभाषा, 2. अमलैण्ड के प्रकार, 3. समानार्थी शब्दावली, 4. अमलैण्ड का परिसीमन–(1) अमलैण्ड के परिसीमन के आधार, (2) अमलैण्ड के परिसीमन की विधियाँ : (अ) गुणात्मक विधियाँ, (ब) परिमाणात्मक विधियाँ, (स) आलेखीय विधियाँ, 5. अमलैण्ड के सीमांकन सम्बन्धी भारतीय प्रयास।

22. नगरीय आकारिकी 266–280
(Urban Morphology)
1. नगरीय आकारिकी : अर्थ एवं परिभाषा, 2. नगरीय आकारिकी के संघटक–(1) नगर का आंतरिक विन्यास एवं बाह्याकृति, (2) नगरीय आंतरिक कार्यात्मक संरचना या भूमि उपयोग, (3) नगर की जनांकिकीय संरचना, 3. नगरीय आकारिकी को प्रभावित करने वाले कारक, 4. नगरीय विन्यास योजना, 5. नगरों की बाह्याकृति या प्रतिरूप, 6. नगरीय विन्यास के परिमार्जन एवं पुनर्निर्माण की समस्याएँ, 7. नगरीय पुनर्निर्माण का फिसलन सिद्धान्त।

23. भारतीय नगरों की आकारिकी 281–296
(Morphology of Indian Cities)
1. भारतीय नगरों की आकारिकीय विशेषताएँ, 2. कुछ व्यक्तिगत नगरों की आकारिकी–(1) कानपुर, (2) लखनऊ, (3) वाराणसी, (4) प्रयागराज, (5) चण्डीगढ़।

24. नगरीकरण 297–329
(Urbanization)
1. नगरीकरण का अर्थ, 2. नगरीकरण के सूचक, 3. नगरीकरण के जनांकिकीय आधार, 4. नगरीकरण चक्र, 5. नगरीकरण के निर्धारक, 6. नगरीकरण के प्रमुख संवर्धक–(1) नगरीकरण के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन, 8. विश्व में नगरीकरण की प्रवृत्ति : (1) प्रागैतिहासिक नगरीकरण, (2) प्राचीन नगरीकरण, (3) मध्यकालीन नगरीकरण, (4) आधुनिक नगरीकरण, 9. भारत में नगरीकरण की प्रवृत्ति – (अ) कालिक प्रवृत्ति, (ब) आकारीय वर्गों के अनुसार नगरीय विकास, (स) भारत में नगरीकरण का प्रादेशिक प्रतिरूप, (द) भारत में नगरीकरण की प्रमुख प्रक्रियाएँ, (य) भारतीय नगरीकरण की प्रमुख विशेषताएँ।

25. नगरों की उत्पत्ति के सिद्धान्त **330–336**

(Theories of Origin of Towns)

1. गार्डन चाइल्ड का नगर उत्पत्ति का सिद्धान्त, 2. हेनरी पिरेनी का नगर उत्पत्ति सिद्धान्त, 3. लेविस मम्फोर्ड का नगरीय उत्पत्ति का सिद्धान्त।

26. प्राचीन नगरीय उद्गम-स्थल **337–346**

(Ancient Urban Hearths)

1. मेसोपोटामिया नगरीय उद्गम-स्थल, 2. मिस्री नगरीय उद्गम-स्थल, 3. भारतीय नगरीय उद्गम-स्थल, 4. चीनी नगरीय उद्गम-स्थल, 5. ईजियन-यूनान नगरीय उद्गम-स्थल, 6. मध्य अमेरिकी नगरीय उद्गम-स्थल, 7. पेरू-एण्डीज नगरीय उद्गम-स्थल।

27. नगरों के विभिन्न रूप **347–358**

(Different Forms of Cities)

1. युग्म नगर, 2. सन्नगर, 3. महानगर, 4. विश्वजनीन नगर, 5. मेगा सिटी या मेगालोपोलिस, 6. केन्द्रीय नगर, 7. बाह्य या एज नगर, 8. वैश्विक नगर।

28. नगरीय समस्याएँ **359–370**

(Urban Problems)

1. स्थानाभाव की समस्या, 2. आवासीय समस्या, 3. परिवहन की समस्या, 4. जलापूर्ति की समस्या, 5. विद्युत आपूर्ति की समस्या, 6. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा की समस्या, 7. शिक्षा वं मनोरंजन की समस्या, 8. मल-मूत्र विसर्जन एवं जल-निकास की समस्या, 9. अपशिष्ट पदार्थों के विसर्जन की समस्या, 10. पर्यावरण प्रदूषण की समस्या, 11. अन्य समस्याएँ ।

29. नगरीय आवासीय समस्या : मलिन बस्तियाँ **371–379**

(Urban Residential Problem : Slums)

1. नगरीय आवासीय समस्या, 2. मलिन बस्ती की परिभाषा, 3. मलिन बस्तियों की विशेषताएँ, 4. मलिन बस्तियों के विकास के लिए उत्तरदायी कारक, 5. विश्व में मलिन बस्तियाँ, 6. भारत में मलिन बस्तियाँ, 7. मलिन बस्तियों के दुष्परिणाम, 8. मलिन बस्तियों के सुधार-हेतु सुझाव।

30. नगर नियोजन **380–393**

(Urban Planning)

1. नगर नियोजन की आवश्यकता, 2. नगर नियोजन का अर्थ एवं परिभाषा, 3. नगर नियोजन के उद्देश्य, 4. नगर नियोजन के प्रकार, 5. नगर नियोजन की संकल्पनाएँ–(1) उपवन नगर संकल्पना, (2) नगरीकरण, नवीनीकरण संकल्पना, (3) मास्टर प्लान संकल्पना, (5) भारत में नगर नियोजन।

सन्दर्भ-ग्रन्थ सूची **394–400**